वैदिक ज्योतिष संस्थान(रजी)

विश्वकुंज को.हॉ.सो, १२१ /डी ४४, चारकोप, सेक्टर १, कांदीवली (प), मुंबई. ४०००६७.
Email: vjtvv1@gmail.com 9322261709 / 7045470661.

आकाश दर्शन २०२२

वैदिक ज्योतिष संस्थान द्वारा आयोजित नक्षत्र एंव ग्रहोंके दर्शन का कार्यक्रम टेलीस्कोप तथा प्रोजेक्टर के द्वारा रखा गया है। ज्योतिषके जीज्ञासु ओंको सारी रात चलने वाले ईस कार्यक्रम पर आमंत्रण दीया जाता है। कार्यक्रममें आकाशकी द्रग प्रत्यक्ष तथा द्रश्य श्राव्य एंव संस्थानके विध्वानोंके प्रवचनो द्वारा आकाशके गूढ रहस्योंकी विविध नक्षत्रोंके तारो द्वारा बनने वाली आकृतिओं तथा राशियों का परिचय दीया जायेगा। समय :- दी ०९/०४/२०२२ सुबह १०:०० बोरीवली से बस द्वारा विल्सन हील पहोचना है, दी १०/०४/२०२२ की सुबह ०६:३० बजे तक कार्यक्रम चलेगा, कार्यक्रममें संमीलीत होने वाले विध्यार्थी सभ्य अपनी व अपने साथ आने वाले व्यक्तिका नाम अपने केन्द्रमें पंजीकृत करवाए व अपना अपना बेच लाना जरुरी है, आपके साथ आनेवाले आमंत्रीत व्यक्तिकी सारी जवाबदारी सदस्य विध्यार्थीकी रहेगी।

अपने साथ टार्च व स्वेटर की व्यवस्था रखे ।

09th APRIL 2022 WOLSON HILL ,DHARAMPUR, VALSAD, GUJRAT.

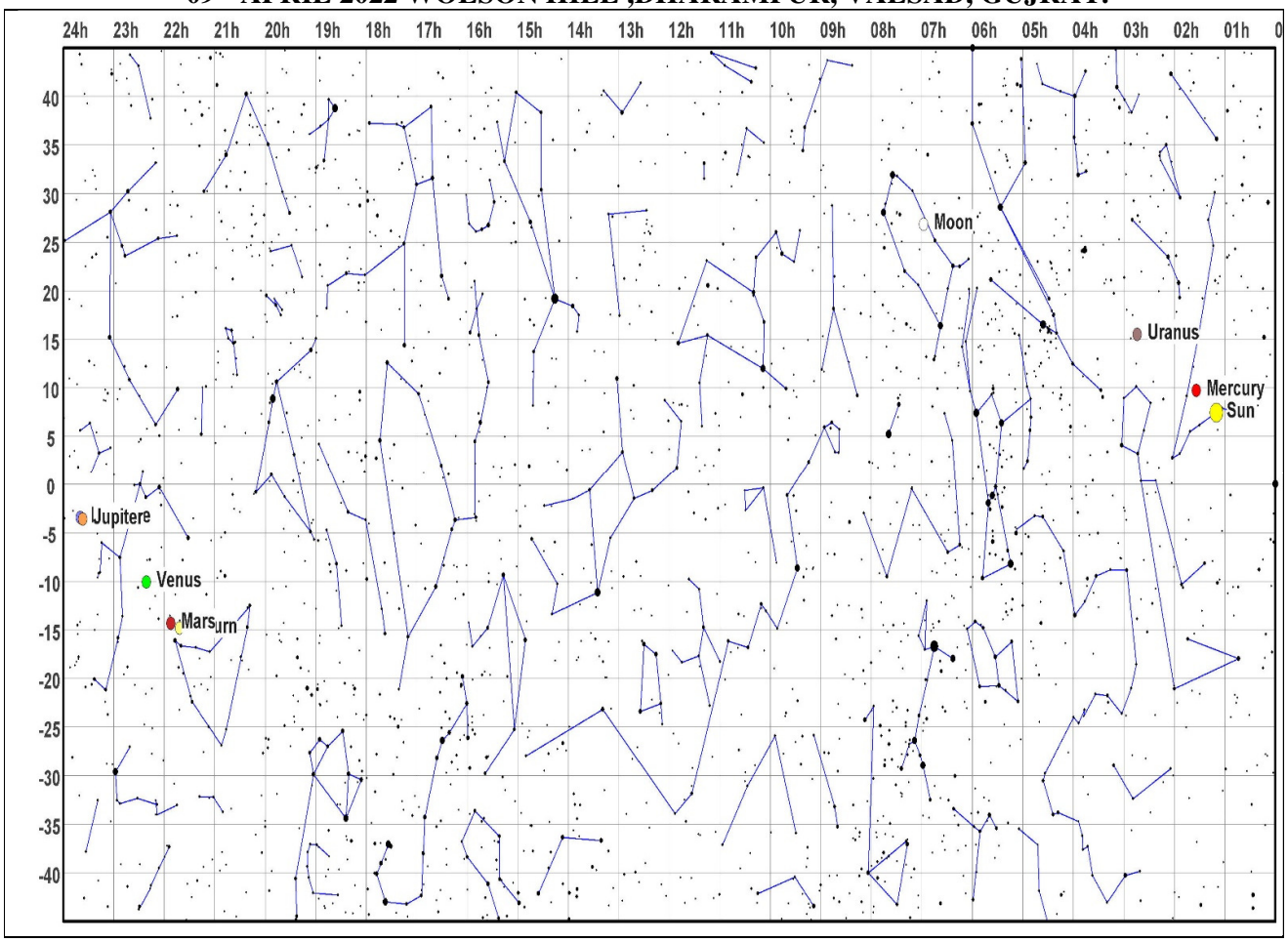

Watch.www.vedicjyotishsansthan.com 2022 year tara darsan photo. Pto

आकाश दर्शन

पृथ्वीकी गति पश्चिमसे पूर्व तरफकी होने के कारण ब्रहमांडमें स्थीत सारे ग्रह,नक्षत्र, तारें हमे पूर्वसे पश्चिमकी और जाते हुए नजर आते है, हम जैसे जैसे विषुववृत से उत्तर की और जायेंगे वैसे वैसे उत्तर ध्रुव उपर की और दीखाई पडेगा, हमारे भारतवर्ष के ऋीषी मुनिओने मेरु पर्वतको ध्रुव स्थान की उपमा दीहै, हमारी पृथ्वी ध्रुव तारेको धुरी मानकर घूमती है, तारे व नक्षत्रो के भचक्र के सहारे सूर्यादि ग्रह भ्रमण करते है, हमारी पृथ्वीकी सतह परसे आकासकी तरफ करीबन पांच प्रकारके वातावरणके वायु स्वरुप थर बने हुए है, १)आकाश, २) अवकाश, ३) अंतरिक्ष, ४) धु, ५) नभ यह पांचो नाम आकाशकी अलग अलग प्रकारकी परिस्थीतीओके द्वारा रखे गये है। यह स्तरे पृथ्वी वासी जीवोके रक्षण का कार्य सूर्यके प्रखर व विनाशक कीरणोको शोख कर करती है।

इस बातको आधुनिक विज्ञान भी समर्थन करताहै, पहला आकाश जोकी ऋतुओके प्रभाव वाला है, (ट्रोपोस्फियर- **Troposphere**) जो धरतीकी सतह से करीबन २५ कीलोमीटर पर होता है, दुसरा (स्टोटोस्फियर - **Stratosphere**) यहा पर ऋतु का प्रभाव व तापमान न्युन है। यहा वायु तथा बर्फ यह वातावरण का स्तर धरतीकी सतह से ६० कीलोमीटर पर स्थित है तथा यहा पर ओझोन नामक वायु भी स्थित है। तीसरा अंतरिक्ष (मेसोस्फियर – **Mesosphere**) यह धरतीकी सतह से करीबन ४०० कीलोमीटर तक स्थीत है। यहा परमाणुमें परिवर्तन होनेके कारण परमाणु बीजली युक्त स्थितीमे रहता है। चौथा धु (थर्मोस्फियर – **Thermosphere**) यह धरतीकी सतह से करीबन १,००० कीलोमीटर तक स्थीत है। यहा विधुत चुंबकीय तरंग व ध्वनि तरंग जो पृथ्वी की तरफसे प्रसारीत कियें जाते हे एवं याहासे पुनह पृथ्वि की और लौटते है इसी कारण हम पृथ्वी पर रेडीयो तथा दूरदर्शन व दूर ध्वनि का लाभ पाते है। पांचवा नभ (एक्झोस्फियर - **Exosphere**) यह धरतीकी सतह से करीबन १०,००० कीलोमीटर तक स्थीत है। यहा पर अति उष्णता होती है तथा यहा तक पृथ्वीका गुरुत्वार्कशण स्थित रहता है।

आकाश दर्शन कार्यक्रम की रुपरेखा

आकाश दर्शन का कार्यक्रम साम १८:३० बजे शुरु होगा कार्यक्रमके परिचय के बाद साम १८:३० बजे चंद्र ग्रह दर्शन , चंद्रदर्शन व चंद्रकी कलाए कैसै होतीहै उस पर द्रस्य-श्राव्य का कार्यक्रम होगा, जीसमे नक्षत्रोकी समज व परिचय कराए जायेगे, नक्षत्रोके तारो द्वारा बनती आकृतियाँ एवं राशिओं का परिचय, आकाश गंगा की जानकारी दी जायेगी, कार्यक्रम ०२:३० पूर्ण होंगा. ३:३० मिनट पर शनि, मंगल, शुक्र तथा गुरु ग्रह दर्शके पश्च्यात ६:३० मिनट पर अपने अपने घरकी और प्रयाण. (कार्यक्रम दरम्यान चाय,कोफी व अल्पाहार तथा भोजन की व्यवस्था रहेगीं सभी सदस्यो को अपने पास टार्च, ठंडसे बचने के लीए गर्म उनी वस्त्र की व्यवस्था रखें सभी विध्यार्थी को पहचान पत्र तथा विध्यार्थी के अलावा आनेवाले हर सदस्योको अपना बेच दीखाई पडे वैसे लगाके आना है) वैदिक ज्योतिष संस्थान द्वारा ज्योतिष तथा वास्तुशास्त्रके नि:शुल्क कक्षाए बोरीवली व मलाडमें चलाये जाते है. गुजराती तथा हीन्दी भाषाके ज्ञाता कीसी भी उम्रके व्यक्ति प्रवेश हेतु संपर्क कर शकते है। शास्त्रमें ज्ञान दान को श्रेष्ठ दान कहा गया है।यह ईस संस्थाका ध्येय है।.

ज्योतिष शिखे स्वयं एवं लोगोका कल्याण करें.